प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के मूल्यों का अध्ययन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की मास्टर ऑफ एज्यूकेशन (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004-2005

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

निर्देशक
डॉ. खेमराज शर्मा
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता :
गुलाबसिंह. झेड. मालीवाड
एम.एड् (छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2004:2005

प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के मूल्यों का अध्ययन

D- 201

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की मास्टर ऑफ एज्यूकेशन (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004–2005

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

निर्देशक :
डॉ. खेमराज शर्मा
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता :
गुलाबसिंह. झेड. मालीवाड
एम.एड् (छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि गुलाबसिंह. झेड. मालीवाड क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध विषय प्रबंध ''प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के मूल्यों का अध्ययन'' मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोधकार्य इनकी निष्ठा एव लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की एम.एड् (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2004–2005 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 5/04/05

निर्देशक
डॉ. खेमराज शर्मा
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

LIBRARY
Bhopal

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध संबंधी कार्य के निर्देशन का संपूर्ण श्रेय श्रद्धेय डॉ. खेमराज शर्मा को है। जिनके निरंतर आत्मीयता और वात्सल्य पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन में यह शोधकार्य पूर्ण हो सका है।

मैं परम आदरणीय प्राचार्य प्रो. एम. सेन गुप्ता, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिन्होंने अनुकूल वातावरण एवं सुविधायें देकर कार्य को सुगम बनाया।

मैं डॉ. लक्ष्मीनारायण का भी हृदय से आभारी हूं जिन्होंने कम्प्यूटर द्वारा सांख्यिकीय गणनाओं में अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

मैं डॉ. के.के. खरे, डॉ. मधूलिका एस. पटेल, डॉ. सुनीति खरे एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूं जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान करके मेरे शोध कार्य का मार्ग प्रशस्त किया।

मैं पुस्तकालायाध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी, सहयोगी श्रीमती लालिमा शर्मा एवं अन्य सदस्यों का आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से शोधकार्य की सम्पन्नता में सहयोग दिया।

मैं अपने सहपाठी श्री चन्द्रेश राठौड, सतीष तिवारी, आराधना त्रिपाठी एवं लक्ष्मण पारगी तथा समस्त सहपाठियों का आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस कार्य को सम्पन्न करने में सहयोग प्रदान किया है।

मैं गुजरात राज्य के पंचमहाल जिले के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों का आभारी हूं जिन्होंने प्रदत्त संकलन में पूर्ण सहयोग दिया।

मैं अपने माता-पिता का सदैव ऋणी रहूंगा। जिन्होंने मेरे इस कार्य को सफल बनाने में आर्थिक स्रोत एवं ममतामयी प्रेरणा से प्रेरित किया है। भाई-बहन एवं परिवार के सभी सदस्यों का ऋणी रहूंगा जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन-मन-धन से सहयोग दिया हैं।

G. Z. Maliwad

- गुलाबसिंह. झेड्. मालीवाड.

एम्. एड्. (प्रारंभिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल.

अनुक्रमणिका

अध्याय	प्रकरण/शोध परिचय	पृष्ठ संख्या
प्रथम	**प्रस्तावना**	1
	1.1 शिक्षक का महत्व	1
	1.2 मूल्य का अर्थ	5
	1.3 मूल्य की व्याख्या	6
	1.4 मानव मूल्य का अर्थ	7
	1.5 मूल्यों का संप्रत्यय	7
	1.6 मूल्यों के संबंध में कुछ परिभाषाएँ	8
	1.7 मूल्यों का वर्गीकरण	10
	1.8 जीवन मूल्यों का वर्गीकरण	12
	1.9 तिरासी जीवन मूल्य	13
	1.10 मूल्य शिक्षा का अर्थ	15
	1.11 मूल्य शिक्षा की आवश्यकता	16
	1.12 मूल्यपरक शिक्षा	17
	1.13 भारतीय संविधान और राष्ट्रीय मूल्य	17
	1.14 शिक्षा में मूल्यों का स्थान	18
	1.15 परिवार, विद्यालय और समाज में शिक्षा मूल्यों की भूमिका	19
	1.16 मूल्य शिक्षा के सामान्य उद्देश्य	21
	1.17 विभिन्न शिक्षा आयोगों व समितियों के मूल्य शिक्षा पर विचार	21
	1.18 मूल्य शिक्षा के प्रति शिक्षक की भूमिका	24
	1.19 अध्ययन की आवश्यकता	27
	1.20 समस्या कथन	28
	1.21 शोध कार्य में प्रयुक्त चर	29
	1.22 समस्याँ का सीमांकन	30
	1.23 शोध कार्य के उद्देश्य	30
	1.24 परिकल्पनाएँ	31

LIBRARY
Bhopal

द्वितीय	**संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन**	32
	2.1 प्रस्तावना	32
	2.2 सबंधित साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	33
	2.3 संबंधित शोधकार्यो का पुनरावलोकन	34
तृतीय	**शोध समस्याएँ प्रविधि एवं प्रक्रिया**	45
	3.1 प्रस्तावना	45
	3.2 शोधकार्य की योजना	45
	3.3 न्यादर्श का चयन	46
	3.4 उपकरण का परिचय	47
	3.5 निदेशात्मक सलाह	48
	3.6 विश्वसनियता	49
	3.7 वैधता	49
	3.8 स्कोरिंग के निर्देश	50
	3.9 प्राथमिकता के अनुसार प्रतिक्रिया का विवरण	50
	3.10 प्रदत्तो का एकत्रीकरण	52
	3.11 सांख्यिकीय विधियाँ	52
चतुर्थ	**प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्याँ**	53
पंचम	**शोधसार, निष्कर्ष एवं सुझाब**	63
	5.1 प्रस्तावना	63
	5.2 प्रस्तुत अध्ययन	64
	5.3 समस्या कथन	65
	5.4 अध्ययन के उद्देश्य	65
	5.5 परिकल्पनाएँ	66
	5.6 न्यादर्श	66
	5.7 उपकरण तथा तकनिक	67
	5.8 सांख्यिकीय विधियाँ	67
	5.9 शोध कार्य में प्रयुक्त चर	67
	5.10 मुख्य परिणम	68
	5.11 सुझाब	69